साल्मन मछली की वापसी

फ्रेड

चित्र : अर्नोल्ड लोबेल

सालमन मछली की वापसी

अभी सुबह है.

सूरज अभी-अभी निकला है.

अकु, छोटी मछलियों को देखने आया है.

ये मछलियां साल्मन हैं.
वे किसी दिन बड़ी होंगी.
तब वे खाने में अच्छी होंगी.

लेकिन अकू साल्मन को खाना नहीं चाहता है.
वे इतनी सुंदर छोटी मछलियां हैं.
अकु को उन्हें देखना पसंद है.

अकु ने एक आदमी को साल्मन पकड़ते हुए देखा.
वो आदमी प्रत्येक मछली पर एक टैग (लेबल) लगाता है.
और फिर वो मछली को वापस पानी में छोड़ देता है.

"आप साल्मन को क्यों टैग कर रहे हैं?" अकु उससे पूछता है.

"मैं साल्मन के बारे में और अधिक जानना चाहता हूं," आदमी ने कहा.

"मैं यह जानना चाहता हूँ कि साल्मन कहाँ जाती हैं, और जब वो यहाँ वापस आती हैं, तो वे कितनी बड़ी होती हैं? जब लोग एक टैग (लेबल) के साथ मछली को पकड़ेंगे तो वे मुझे उस जगह के बारे में लिखेंगे जहां उन्होंने उसे पकड़ा था. तब मुझे पता चलेगा कि मछली कहाँ-कहाँ गई थी."

उस आदमी ने अकु को मछली टैग करना दिखाया. फिर उसने अकु के लिए एक मछली टैग की.

"देखो यह लाल टैग," आदमी ने कहा, "इसका मतलब है कि यह अब तुम्हारी मछली है. और जब वो वापस आएगी तो तुम्हें उसके बारे में पता चल जाएगा."

"मैं उसे रेड-टैग बुलाऊंगा," अकु ने कहा.

"किसी दिन रेड-टैग एक बड़ी साल्मन बनेगी. वो बहुत दूर जाएगी."

"फिर वो वापस आएगी. तब मुझे पता चलेगा. मैं उसका ध्यान रखूंगा."

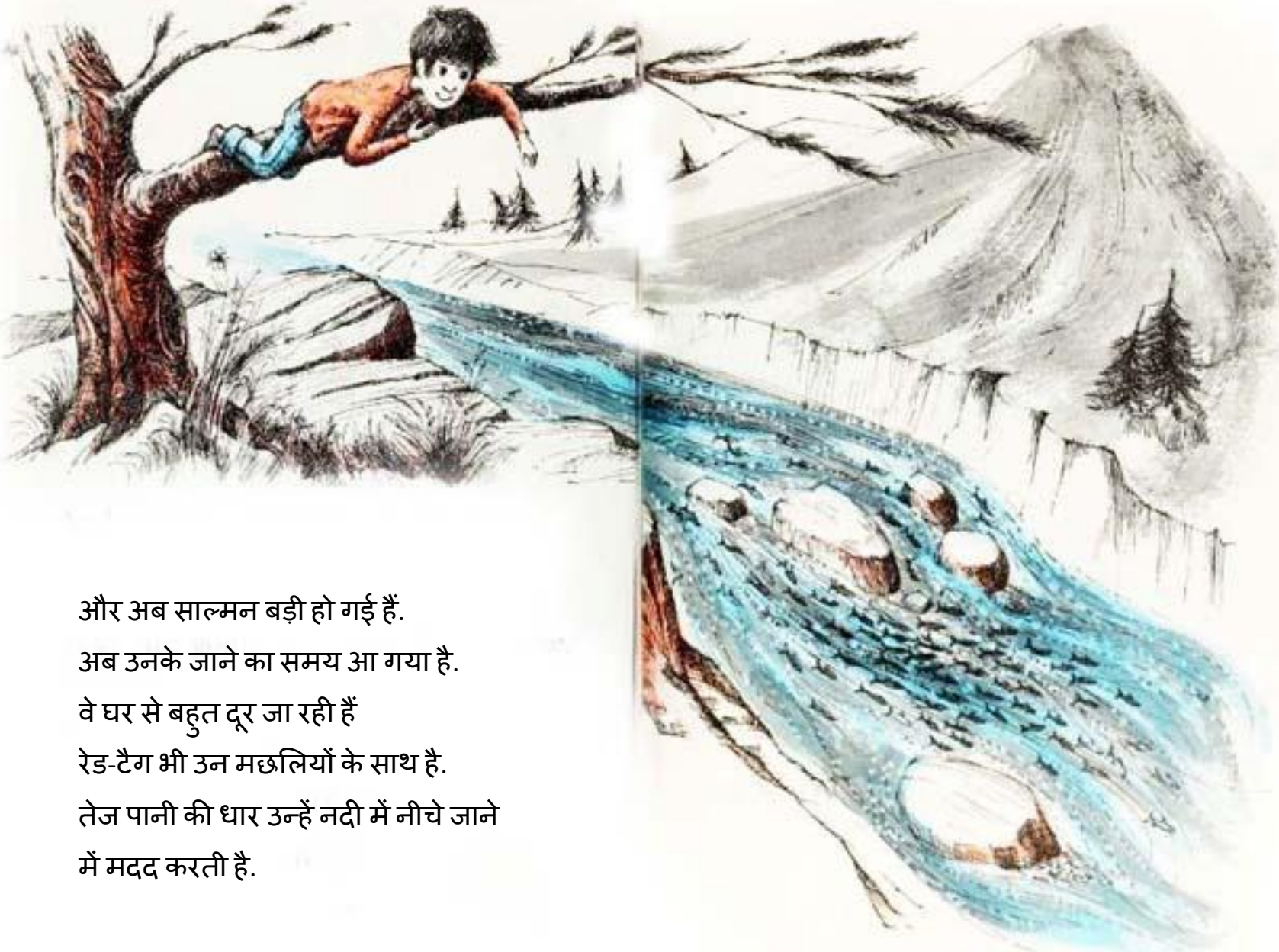

और अब साल्मन बड़ी हो गई हैं.
अब उनके जाने का समय आ गया है.
वे घर से बहुत दूर जा रही हैं
रेड-टैग भी उन मछलियों के साथ है.
तेज पानी की धार उन्हें नदी में नीचे जाने
में मदद करती है.

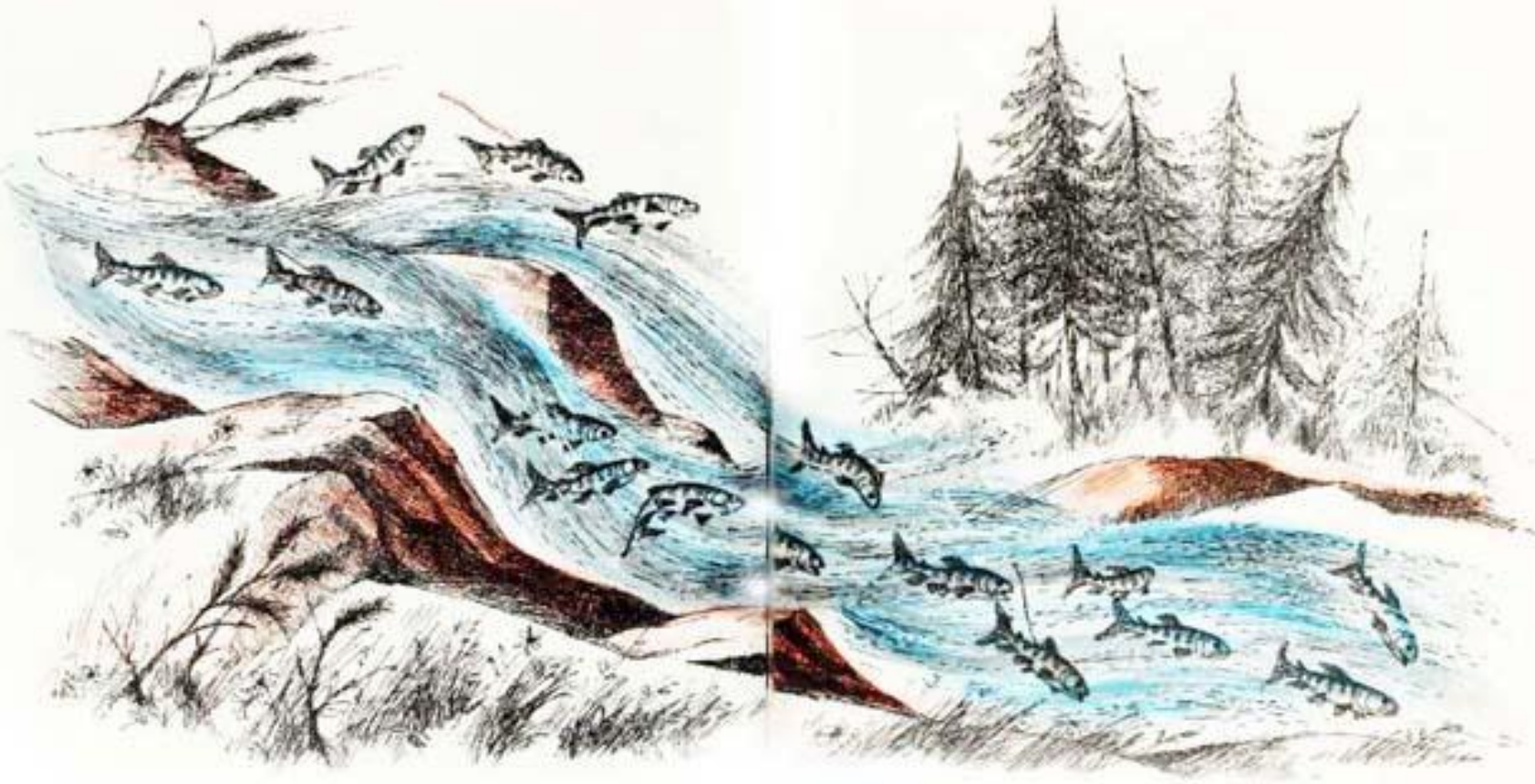

वे नदी के नीचे जाती हैं.
छोटी साल्मन मछलियों को अब
कोई रोक नहीं सकता है.
रेड-टैग को भी कोई रोक नहीं सकता है.

यहां पानी नीचे गिरता है और वो बहुत तेज है.
लेकिन गिरते पानी में भी मछलियां तैरती हैं.
अब रेड-टैग भी उनके साथ है.

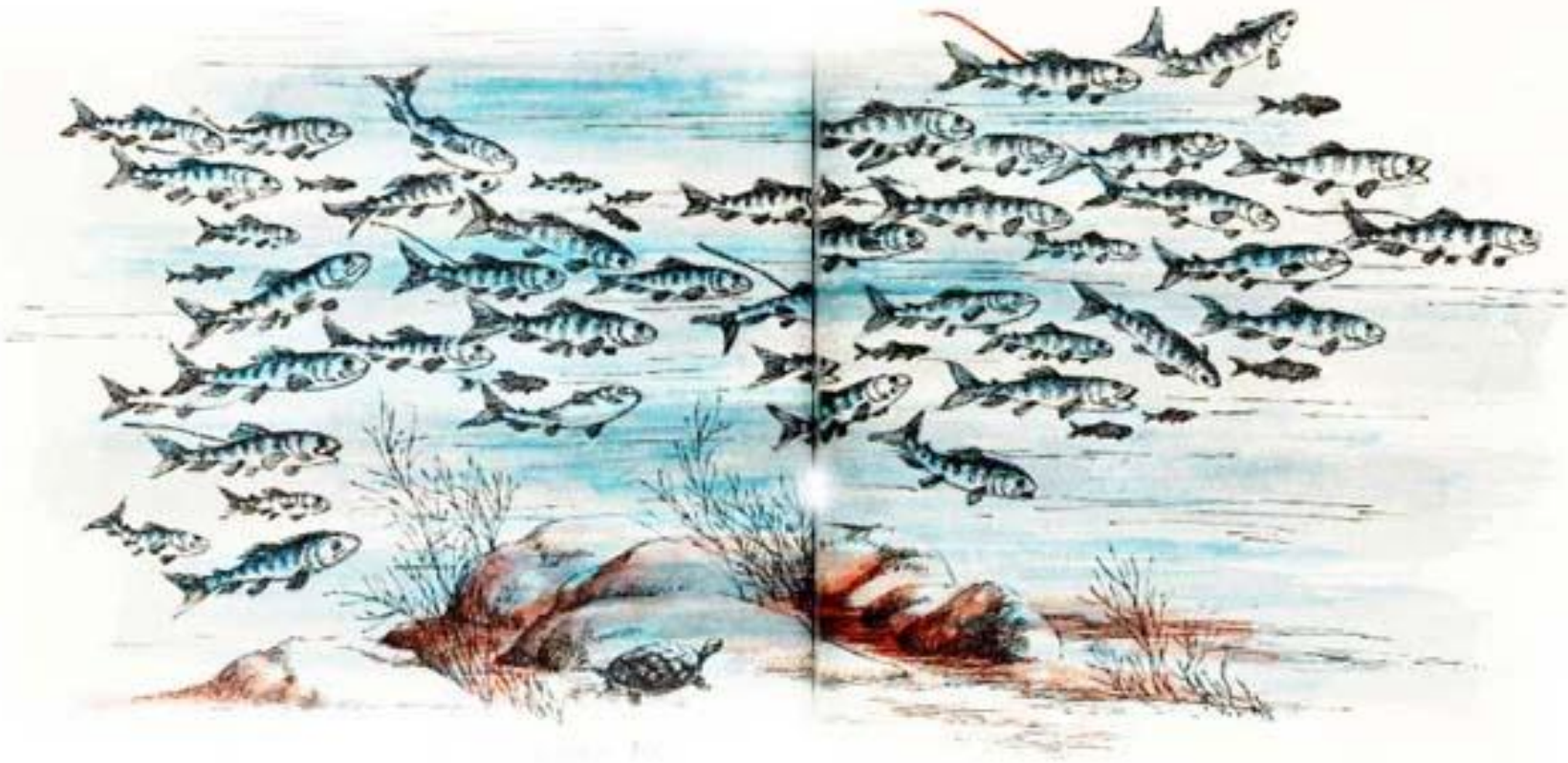

कई सप्ताह बीत चुके हैं.
रेड-टैग ने घर से एक लंबा,
लंबा रास्ता तय किया है.
अब वो कई अन्य मछलियों के साथ है.

वे सभी नदी में नीचे उतरती हैं.
और वे तैरते-तैरते ही खाती हैं.
नदी में नीचे उतरते समय
रेड-टैग बहुत जमकर खाती है.

ज़रा पक्षियों को देखो!
पक्षी, छोटी मछलियां पकड़ना चाहते हैं.
वे उन्हें खाना चाहते हैं.
वे रेड-टैग को खा सकते हैं.
इस पक्षी को एक छोटी मछली मिली है.
लेकिन रेड-टैग बिल्कुल ठीक समय पर
वहां से दूर हो गई.
वह तेजी से तैरकर दूर निकल गई.

अंत में साल्मन मछलियां समुद्र में पहुंचीं.
उन्होंने समुद्र के खारे पानी और लहरों को
महसूस किया.

मछलियां खूब कूदीं.
रेड-टैग भी उनके साथ कूदी.

फिर उन्होंने खाना शुरू किया.
वहां खाने के लिए बहुत कुछ था.
रेड-टैग ने इतना खाना, पहले कभी नहीं देखा था.
वहां और भी कुछ अच्छी बातें थीं.
रेड-टैग जो कुछ भी पकड़ पाई वो उसने खाया.
हाँ, रेड-टैग की खाने की बड़ी क्षमता थी.
और जब वो बहुत ज़्यादा खाएगी
तो फिर वो जल्दी बड़ी होगी.
लेकिन ज़रा बाहर देखो, रेड-टैग!

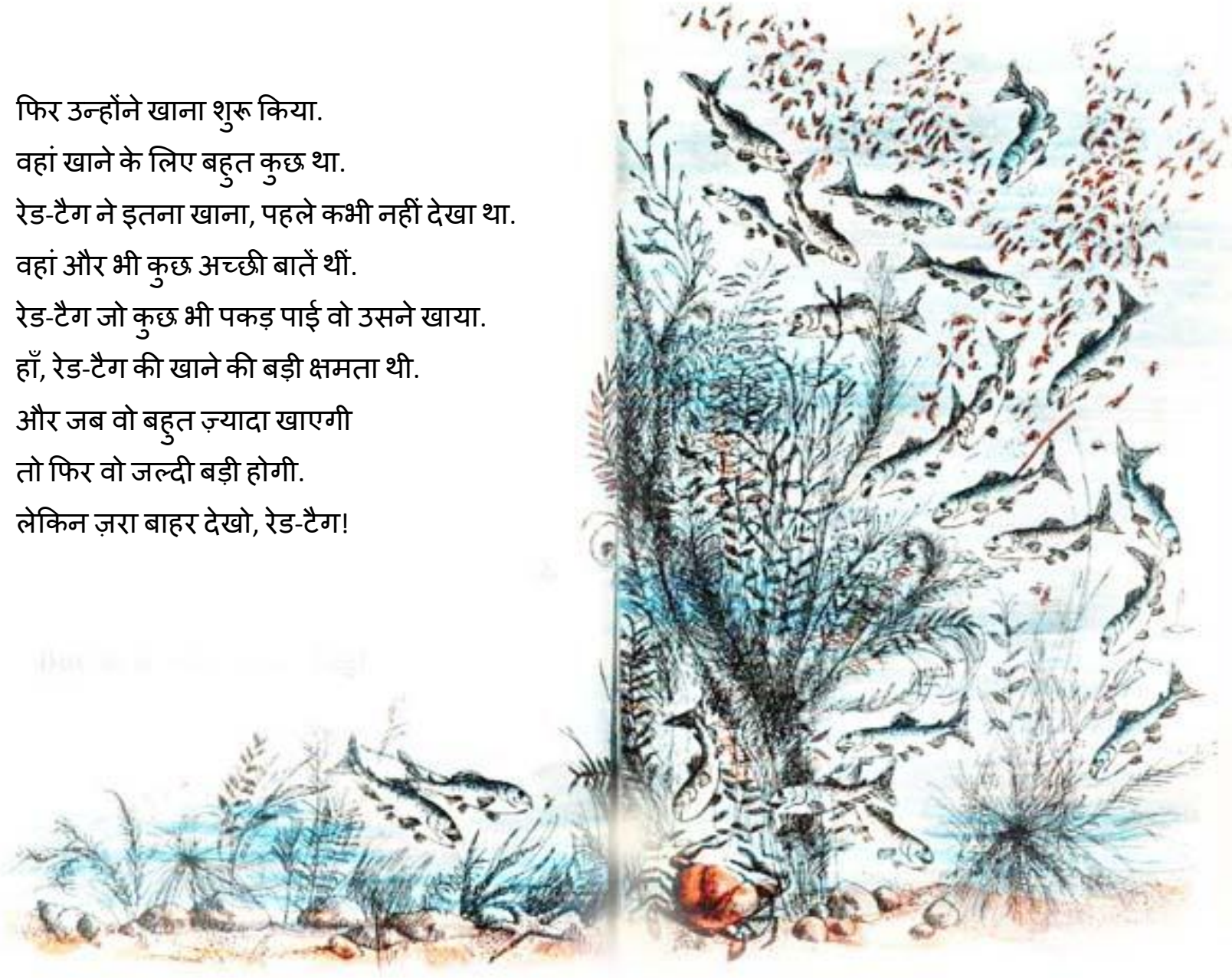

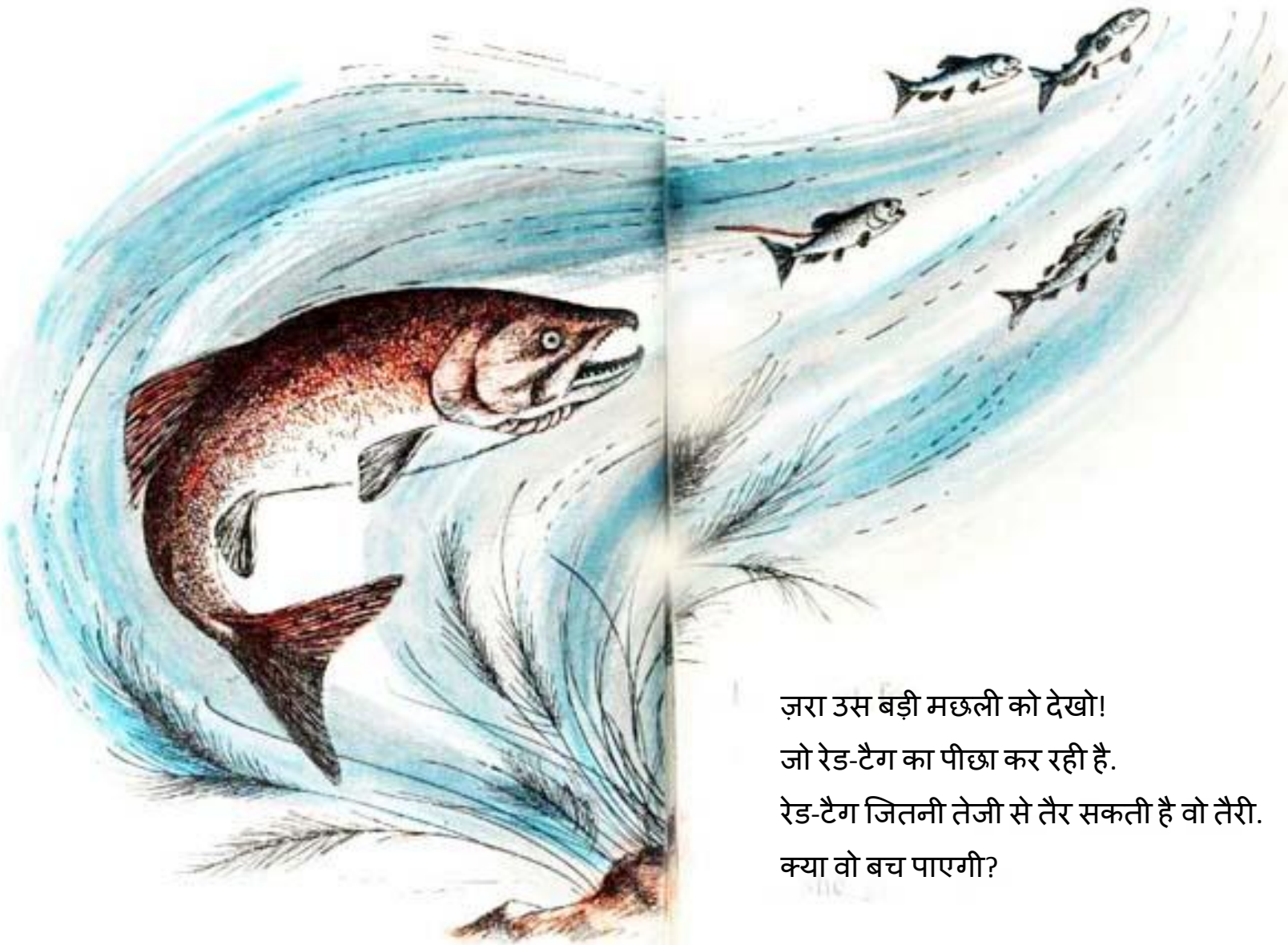

ज़रा उस बड़ी मछली को देखो!
जो रेड-टैग का पीछा कर रही है.
रेड-टैग जितनी तेजी से तैर सकती है वो तैरी.
क्या वो बच पाएगी?

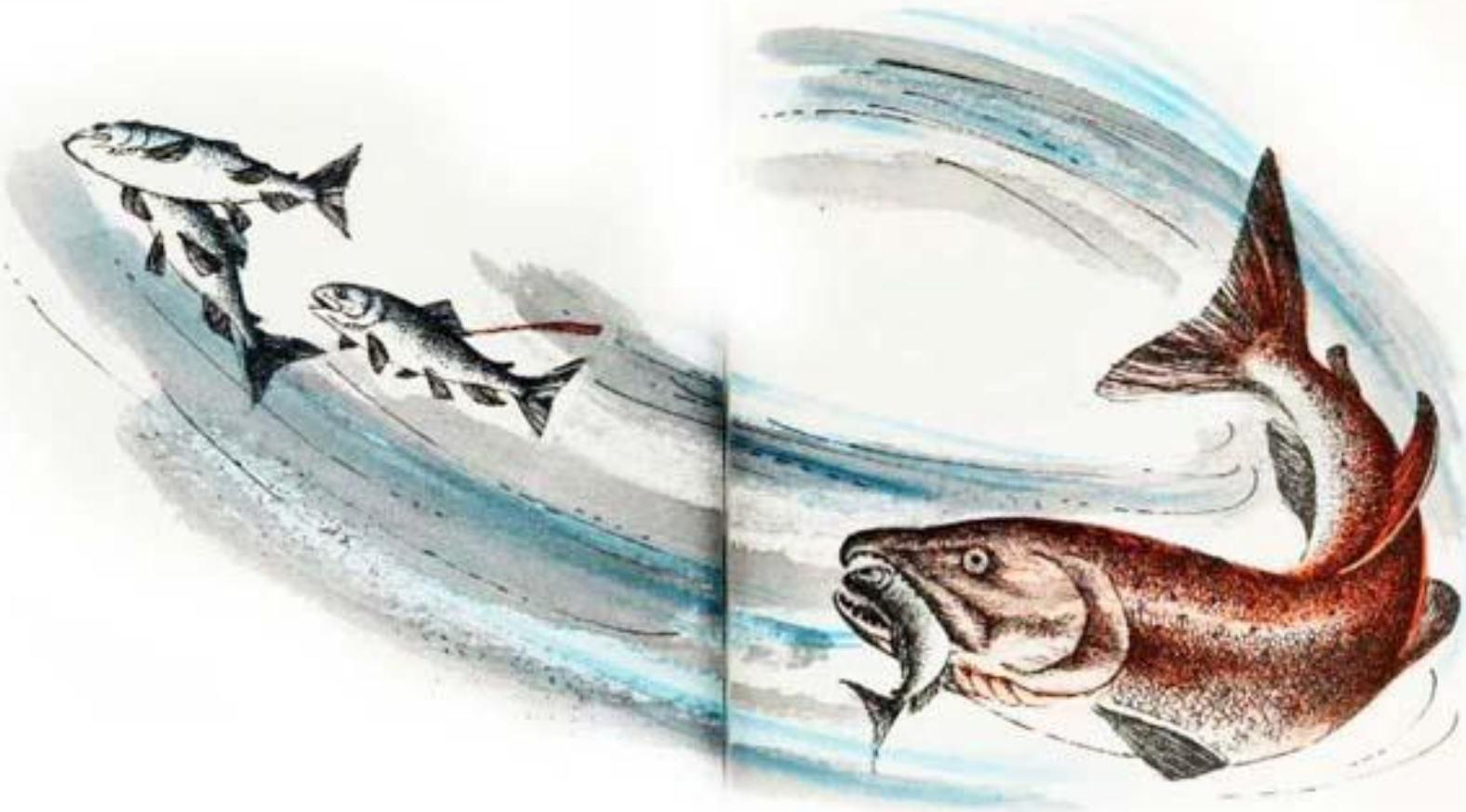

वो बच गई!

वो बस बाल-बाल बची!

रेड-टैग इस बार तो बच गई.

लेकिन आगे से उसे सावधान रहना पड़ेगा.

पानी में कई बड़ी मछलियाँ हैं.

वे छोटी साल्मन मछलियों

को खाना चाहती हैं.

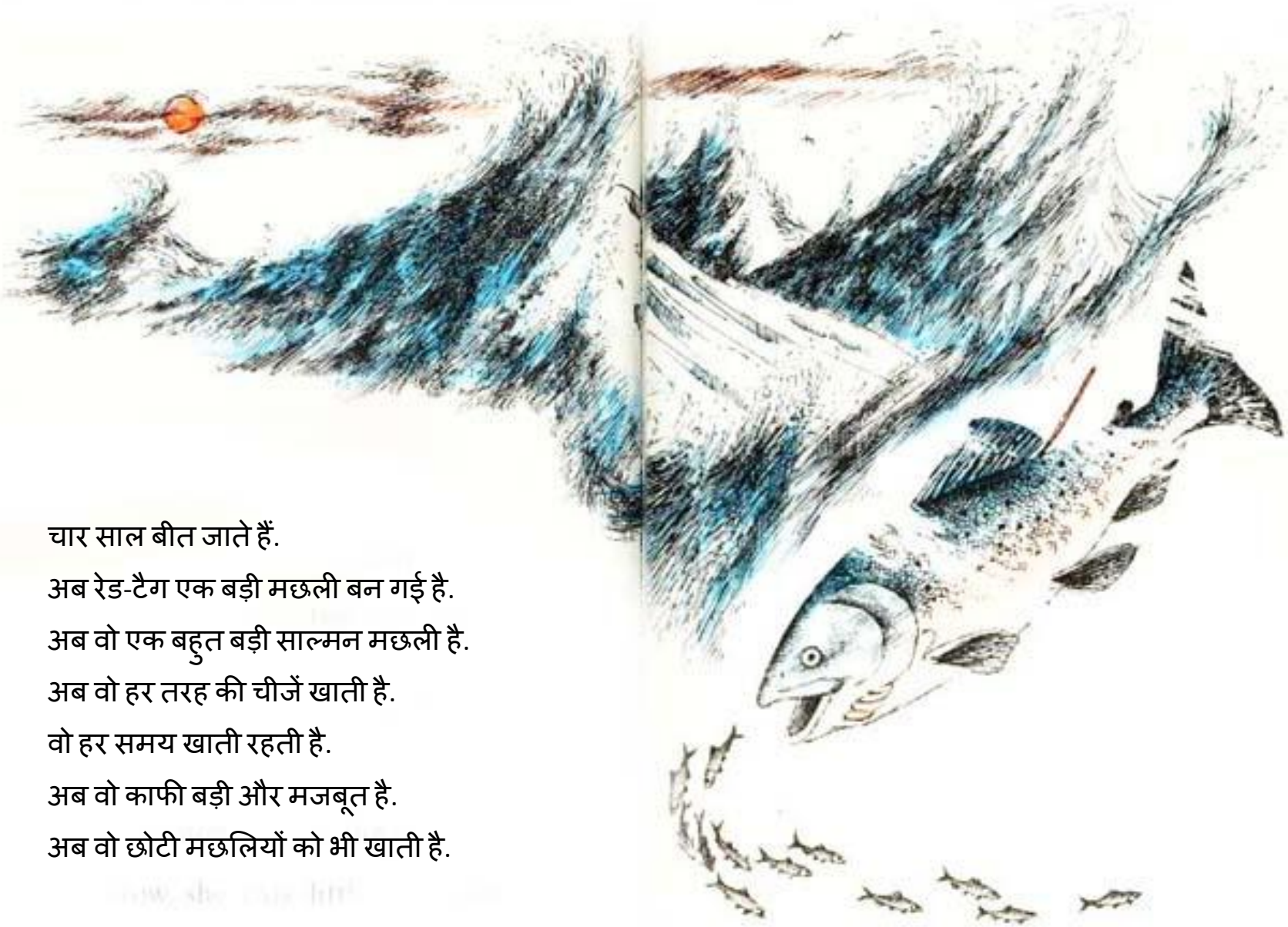

चार साल बीत जाते हैं.
अब रेड-टैग एक बड़ी मछली बन गई है.
अब वो एक बहुत बड़ी साल्मन मछली है.
अब वो हर तरह की चीजें खाती है.
वो हर समय खाती रहती है.
अब वो काफी बड़ी और मजबूत है.
अब वो छोटी मछलियों को भी खाती है.

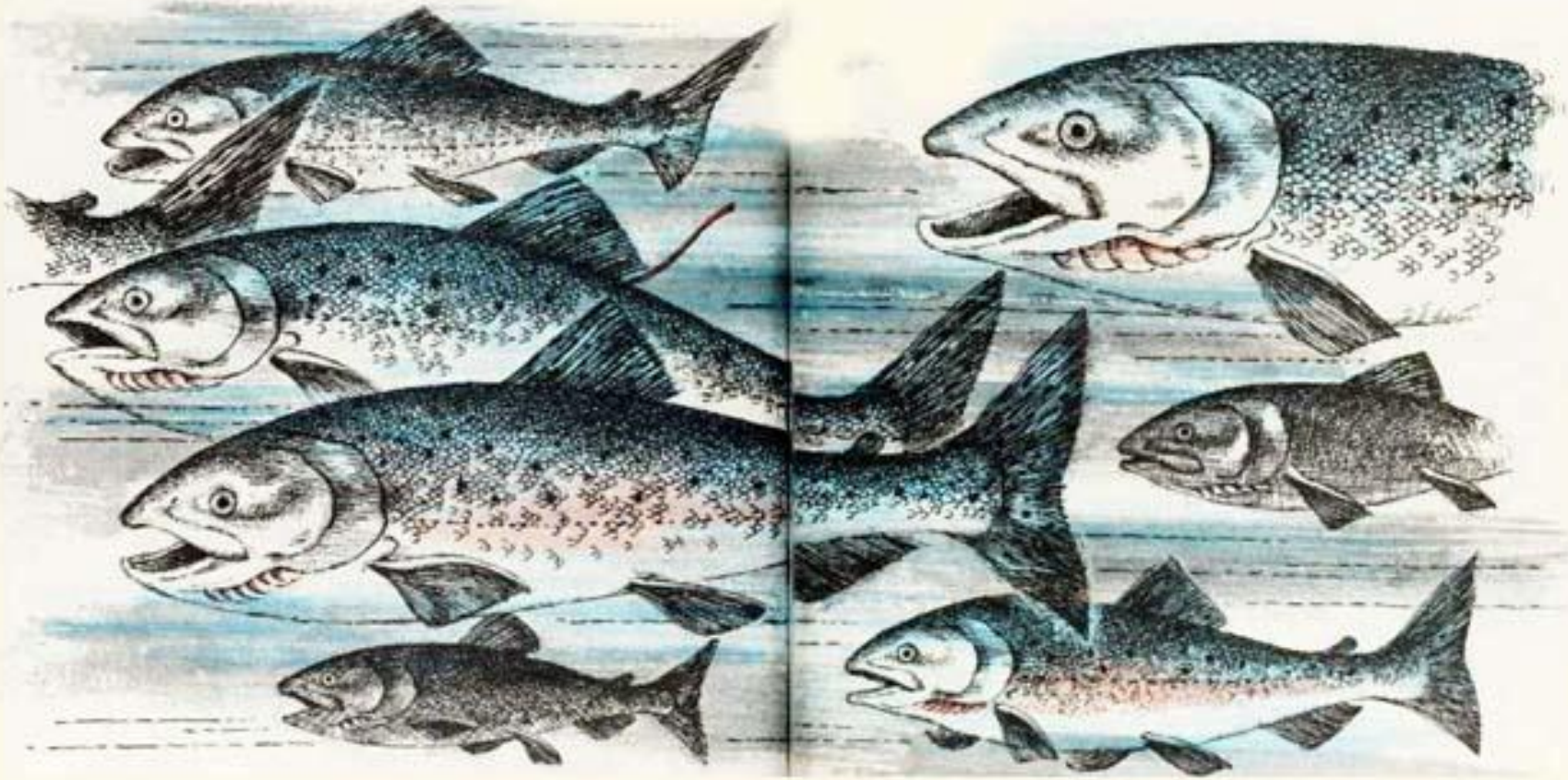

और फिर एक दिन
रेड-टैग खाना बंद कर देती है.
अब उसे वापस उस नदी में जाना है
जिस नदी को उसने बहुत पहले छोड़ा था.

वहां पहुंचने के लिए वो दिन-रात तैरती है.
वो अन्य साल्मन के साथ तैरती है.
वे सभी वापस नदी की ओर जा रही हैं.

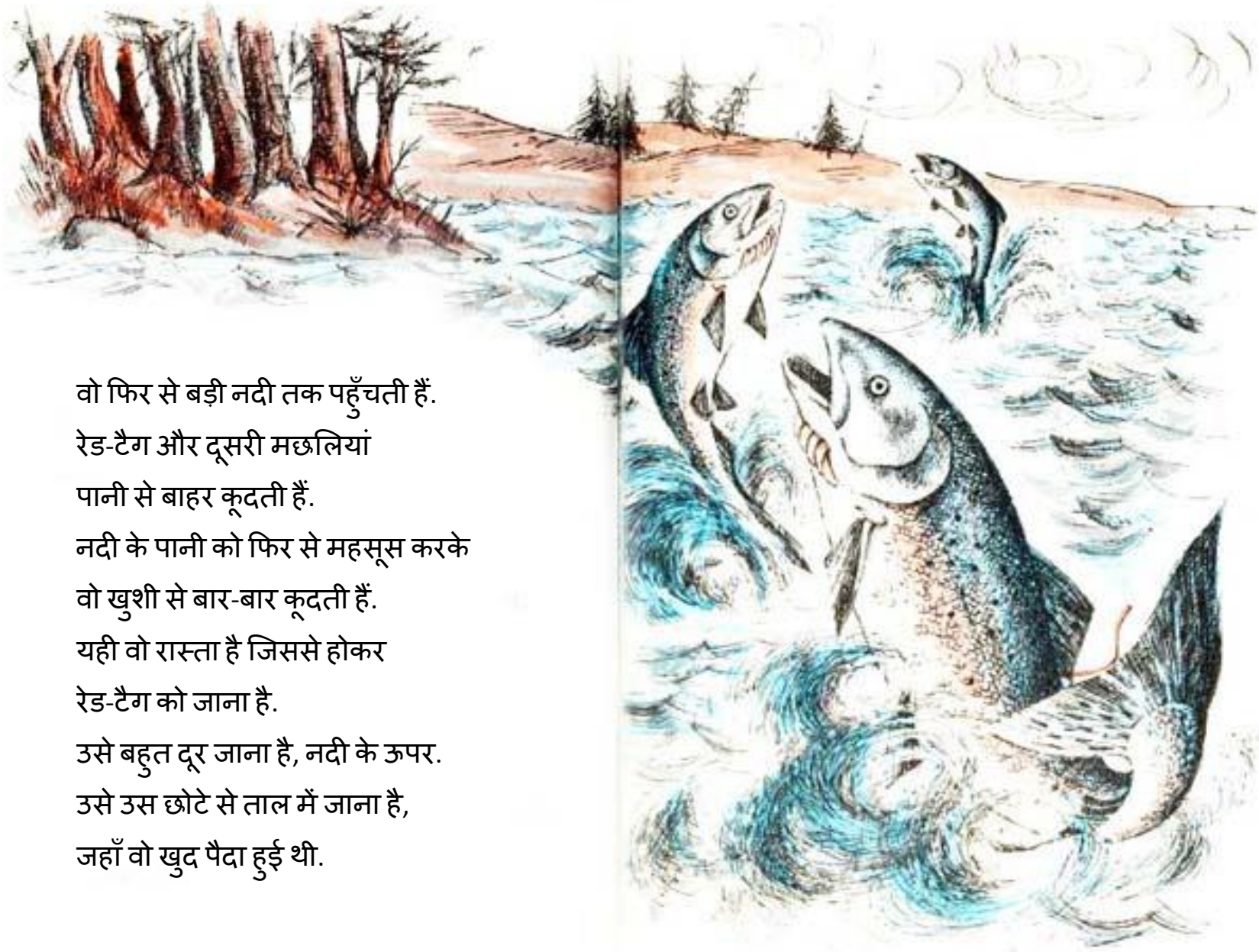

वो फिर से बड़ी नदी तक पहुँचती हैं.
रेड-टैग और दूसरी मछलियां
पानी से बाहर कूदती हैं.
नदी के पानी को फिर से महसूस करके
वो खुशी से बार-बार कूदती हैं.
यही वो रास्ता है जिससे होकर
रेड-टैग को जाना है.
उसे बहुत दूर जाना है, नदी के ऊपर.
उसे उस छोटे से ताल में जाना है,
जहाँ वो खुद पैदा हुई थी.

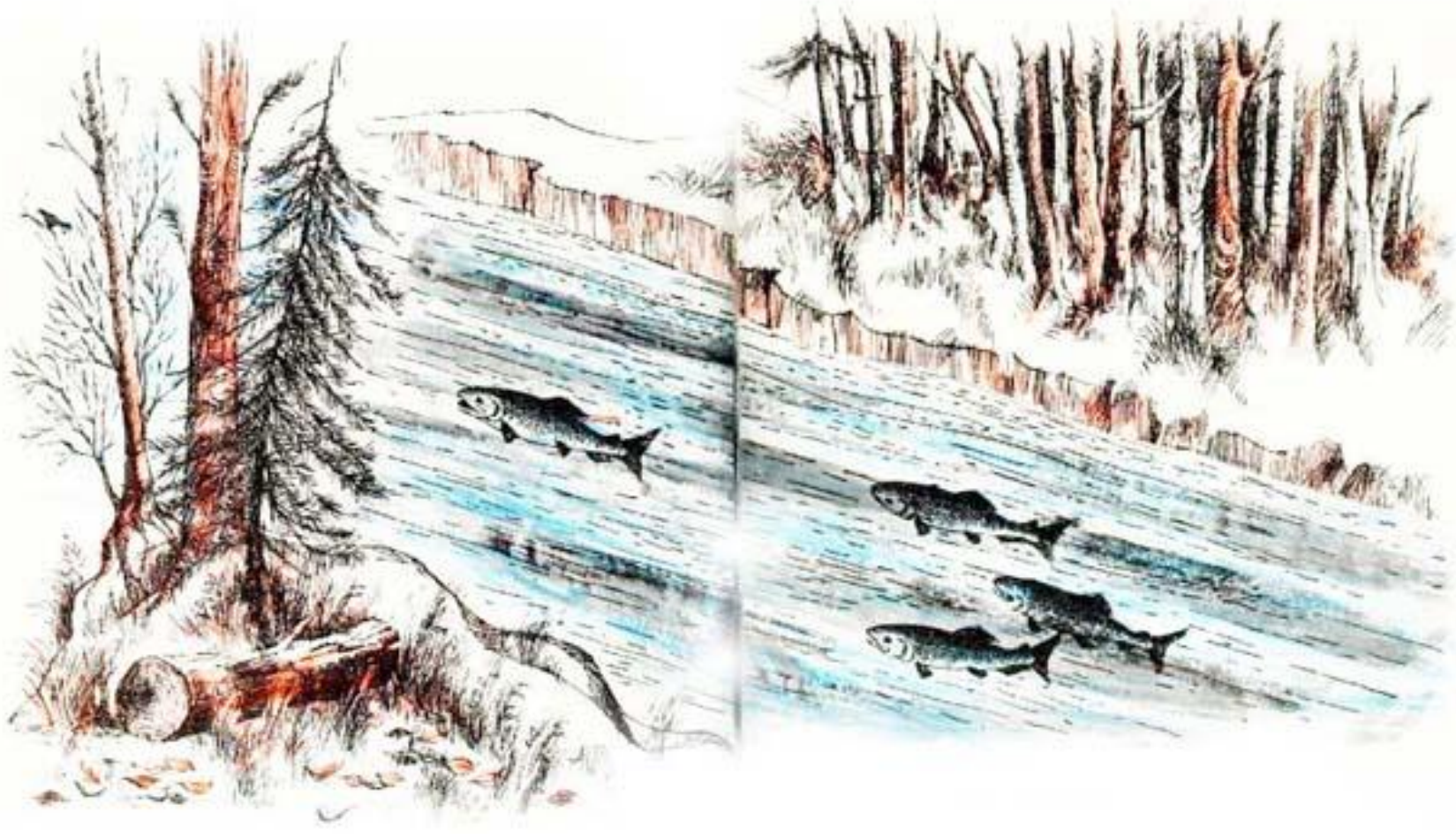

अब साल्मन नदी में हैं.
रेड-टैग जितनी तेजी से तैर सकती है वो तैरती है.
वो खाने के लिए भी नहीं रुकती है.

वो सोने के लिए भी रुकती नहीं है.
वो बस तैरती ही रहती है.
अभी उसे बहुत लंबा रास्ता तय करना है.
उसे जितनी जल्दी हो सके तैरना चाहिए.

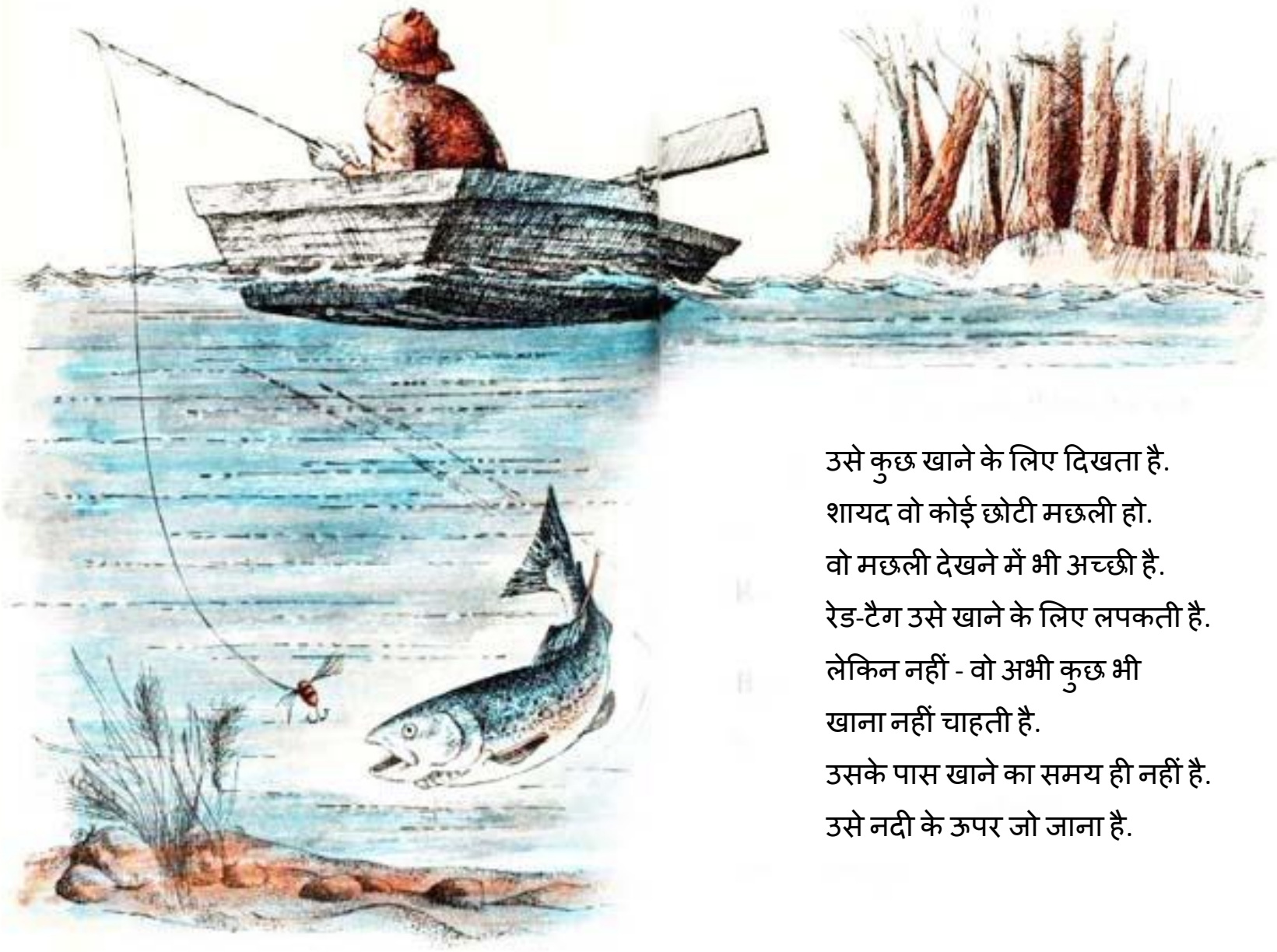

उसे कुछ खाने के लिए दिखता है.
शायद वो कोई छोटी मछली हो.
वो मछली देखने में भी अच्छी है.
रेड-टैग उसे खाने के लिए लपकती है.
लेकिन नहीं - वो अभी कुछ भी
खाना नहीं चाहती है.
उसके पास खाने का समय ही नहीं है.
उसे नदी के ऊपर जो जाना है.

पर यह क्या?
रेड-टैग यहाँ क्यों रुकी है?
वो पकड़ी गई है!
वो कई अन्य मछलियों के साथ
एक जाल में फंस गई है.

रेड-टैग अब क्या करेगी?
उसे नदी के ऊपर जाना है.
लेकिन वो उस जाल से कैसे निकलेगी?

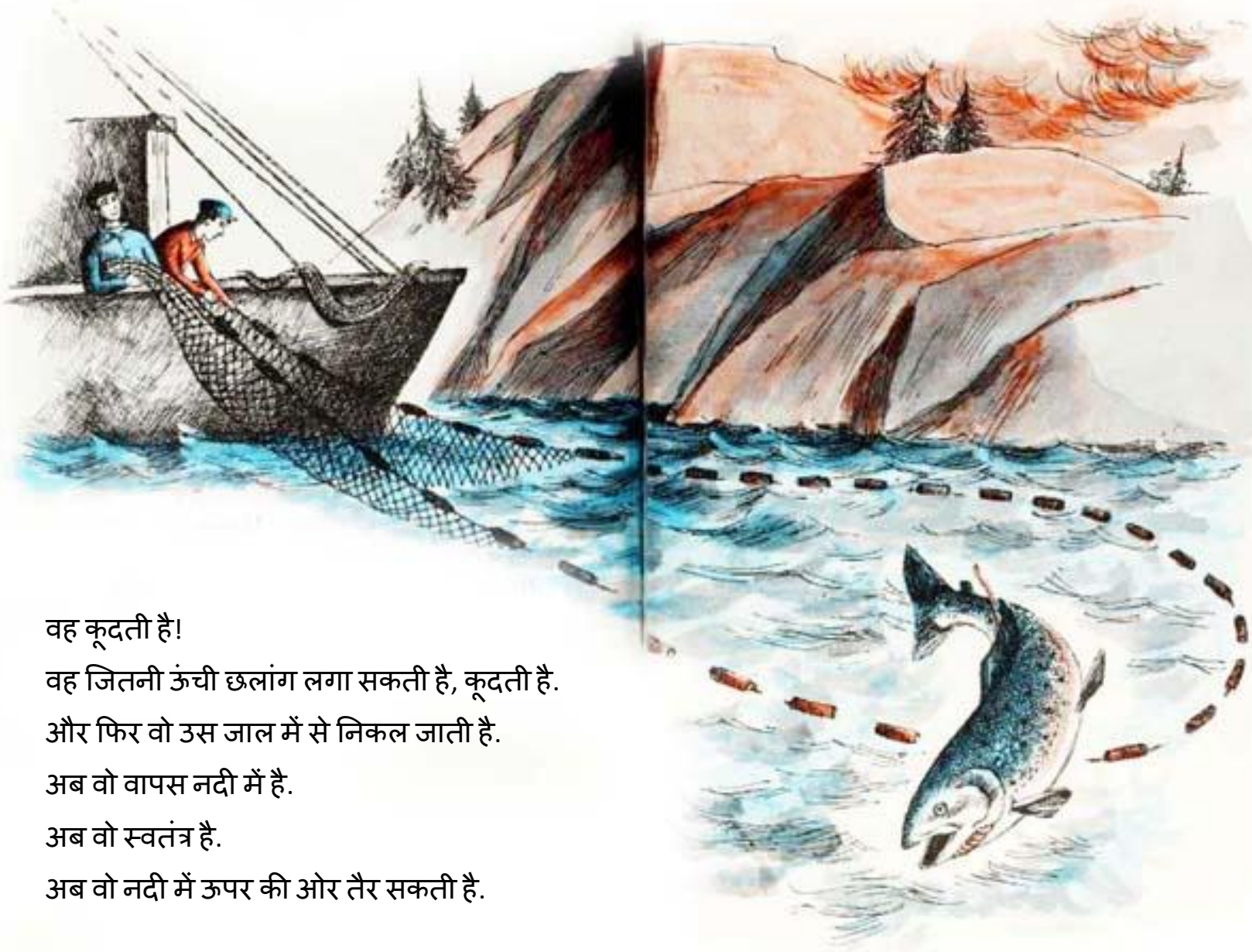

वह कूदती है!

वह जितनी ऊंची छलांग लगा सकती है, कूदती है.

और फिर वो उस जाल में से निकल जाती है.

अब वो वापस नदी में है.

अब वो स्वतंत्र है.

अब वो नदी में ऊपर की ओर तैर सकती है.

कुछ दिनों के बाद उसके सामने
एक बड़ी दीवार आती है.
दीवार नदी की चारदीवारी पर है.

रेड-टैग फिर उछलती है.
वो एक ऊंची छलांग लगाती है.
लेकिन दीवार बहुत ऊंची है.
वो उस दीवार के ऊपर कैसे जा पाएगी?
रेड-टैग को उस बड़ी दीवार को पार करना ही होगा.

रेड-टैग तेज पानी को महसूस करती है.
वो फिर से कूदती है.
वो पानी से ऊंची छलांग लगाती है.
अन्य मछलियाँ भी कूदती हैं.
बड़ी दीवार को पार करने का यही एक तरीका है.
साल्मन को नदी में ऊपर उठाने में
मदद करने के लिए ही
लोगों ने उसे बनाया था.
रेड-टैग कूदती है और कूदती है.
प्रत्येक छलांग उसे थोड़ा और और ऊपर लाती है.
इतना कूदना बेहद कठिन काम है.

लेकिन रेड-टैग रुकती नहीं है.
उसे बड़ी दीवार को पार करना ही होगा
और नदी के ऊपर जाना ही होगा.

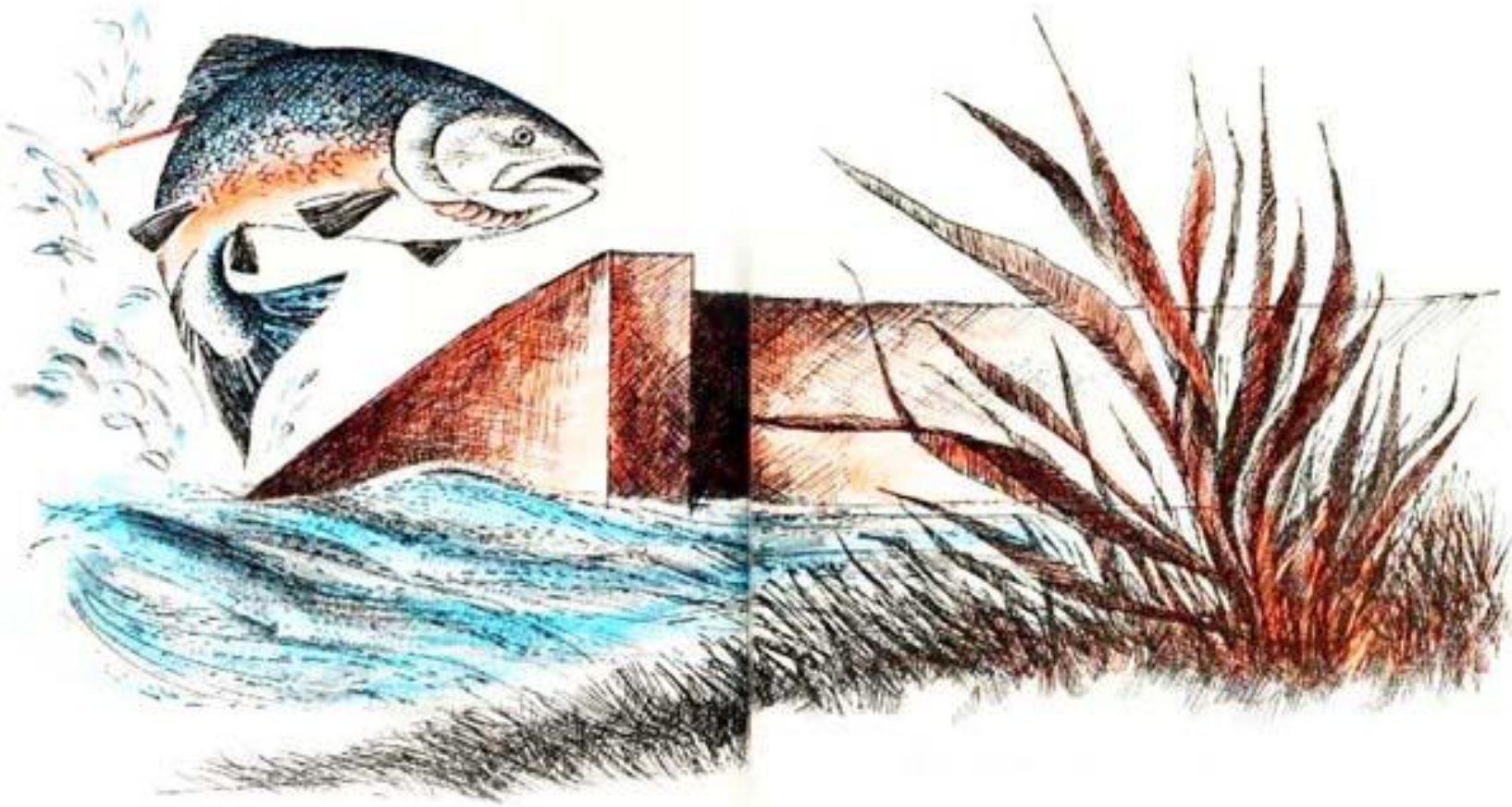

अब अंत में वो दीवार के ऊपर है.
वो पानी में गिर जाती है.
इतना अधिक कूदना बहुत कठिन काम था.

अब वो पानी में आराम करेगी.
लेकिन बहुत लम्बे समय के लिए नहीं.
जल्द ही वो दुबारा आगे बढ़ेगी
- नदी के ऊपर की ओर.

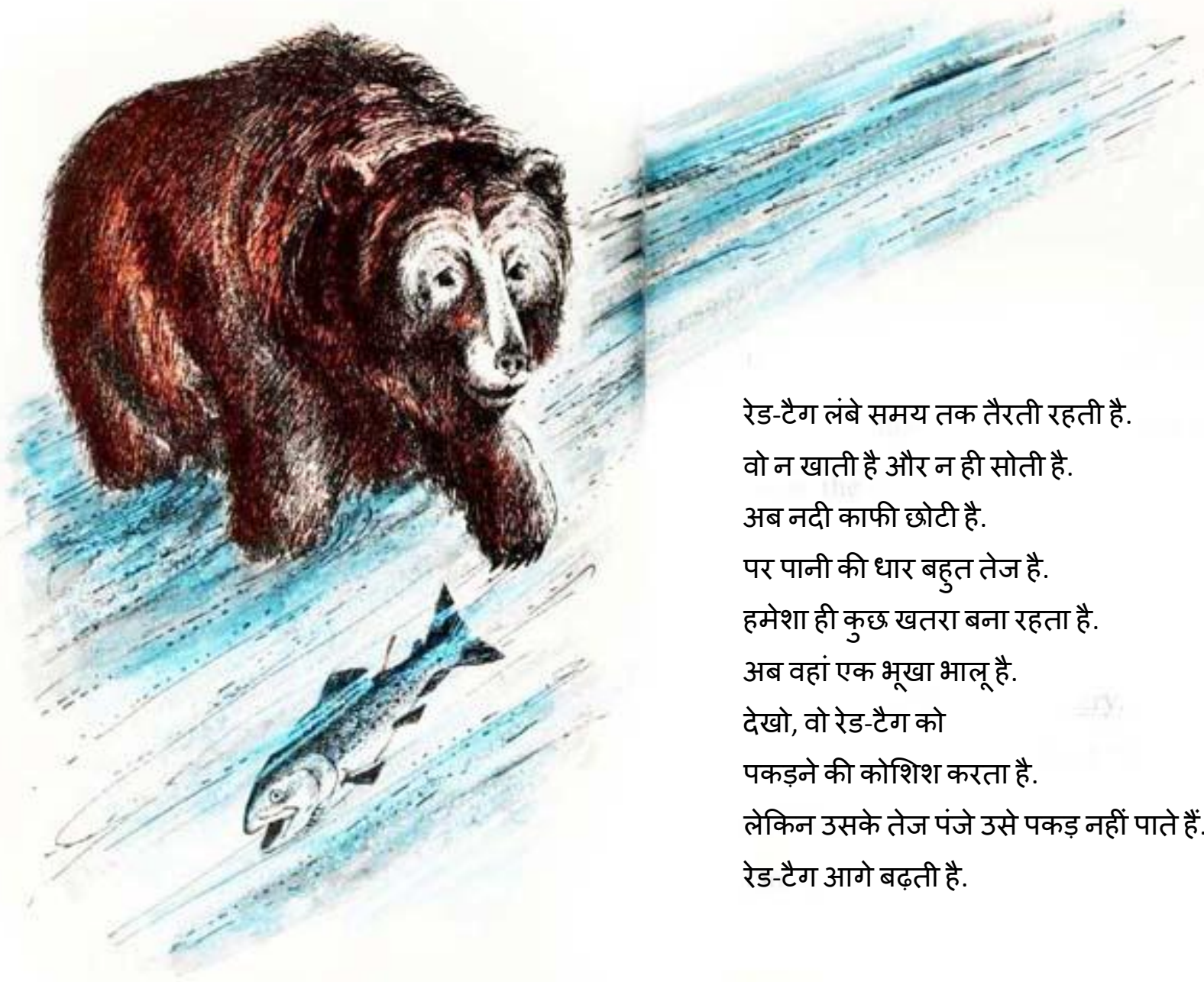

रेड-टैग लंबे समय तक तैरती रहती है.
वो न खाती है और न ही सोती है.
अब नदी काफी छोटी है.
पर पानी की धार बहुत तेज है.
हमेशा ही कुछ खतरा बना रहता है.
अब वहां एक भूखा भालू है.
देखो, वो रेड-टैग को
पकड़ने की कोशिश करता है.
लेकिन उसके तेज पंजे उसे पकड़ नहीं पाते हैं.
रेड-टैग आगे बढ़ती है.

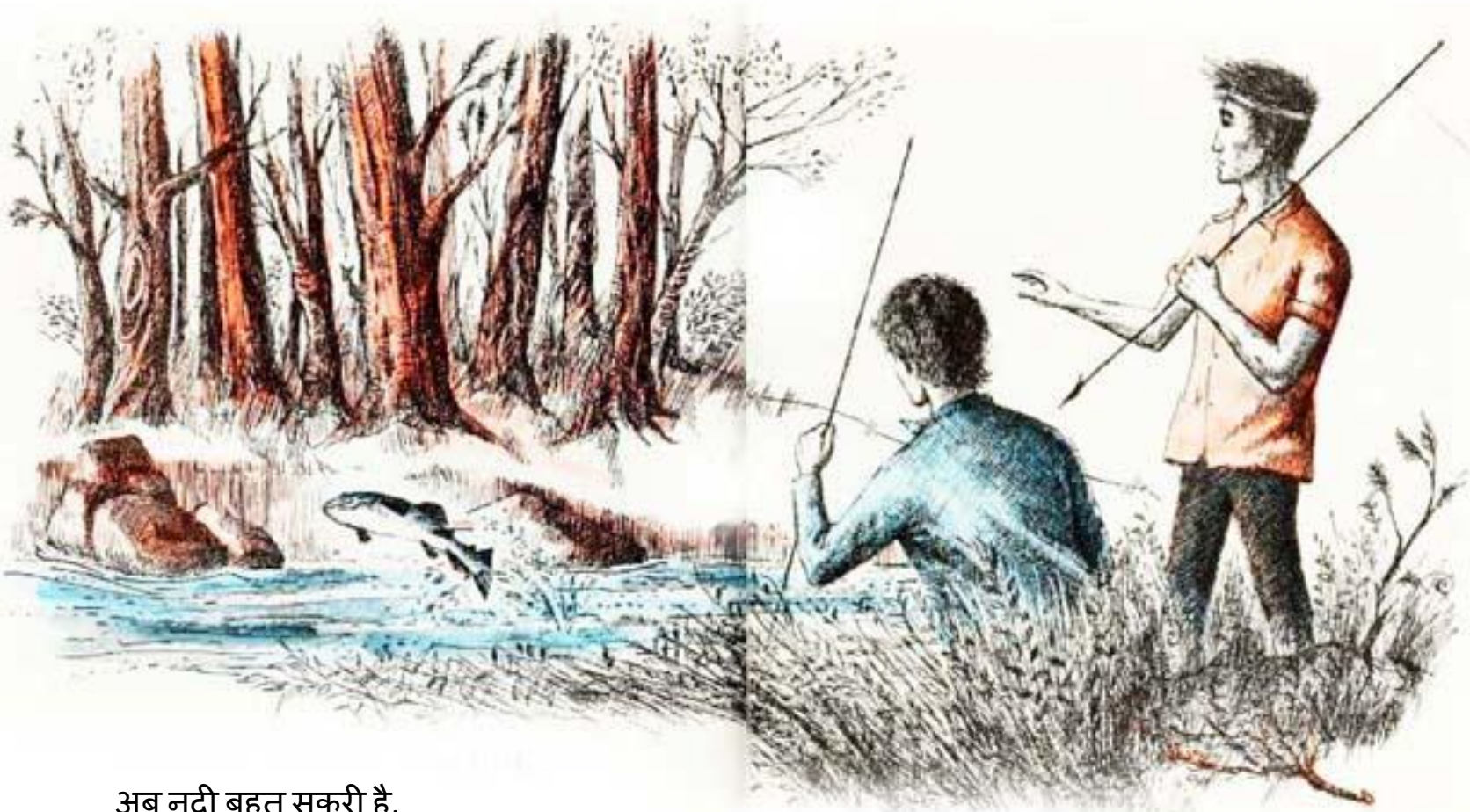

अब नदी बहुत सकरी है.
लेकिन उसका पानी बहुत तेज है.
सावधान, रेड-टैग!
वहां पर स्थानीय इंडियन लोगों
के पास लंबी, नुकीली छड़ें हैं.

वे साल्मन खाना चाहते हैं.
पर रेड-टैग ठीक समय पर कूद जाती है.

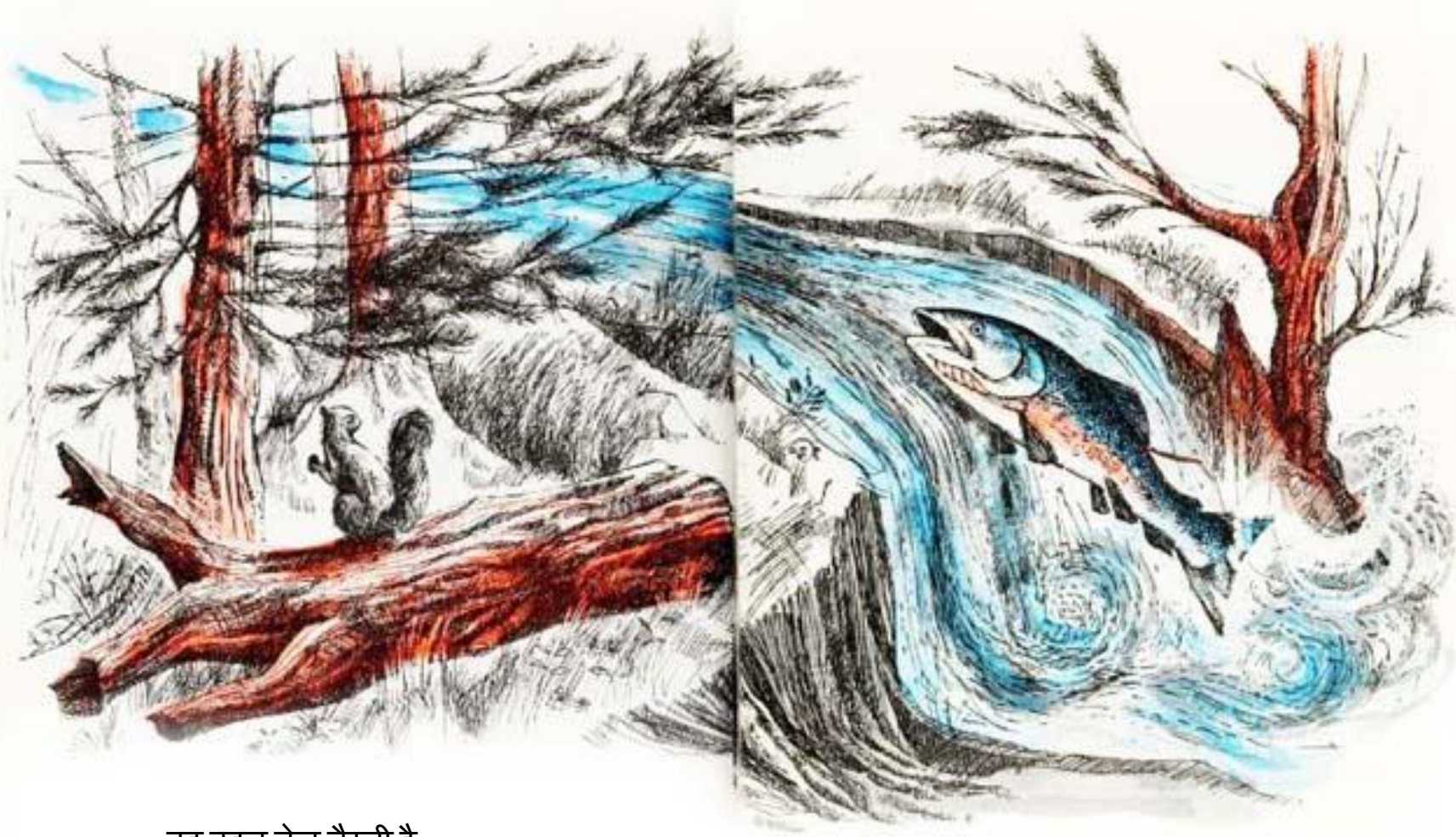

वह बहुत तेज तैरती है.
अब ज्यादा समय नहीं है.
उसे जल्द ही वहां पहुंचना होगा.
वो एक छोटे जलप्रपात के ऊपर कूदती है.

जितना संभव होता है,
वो उतनी तीजी से तैरती है.
वो तेजी से ऊंची पहाड़ियों पर चढ़ती है.

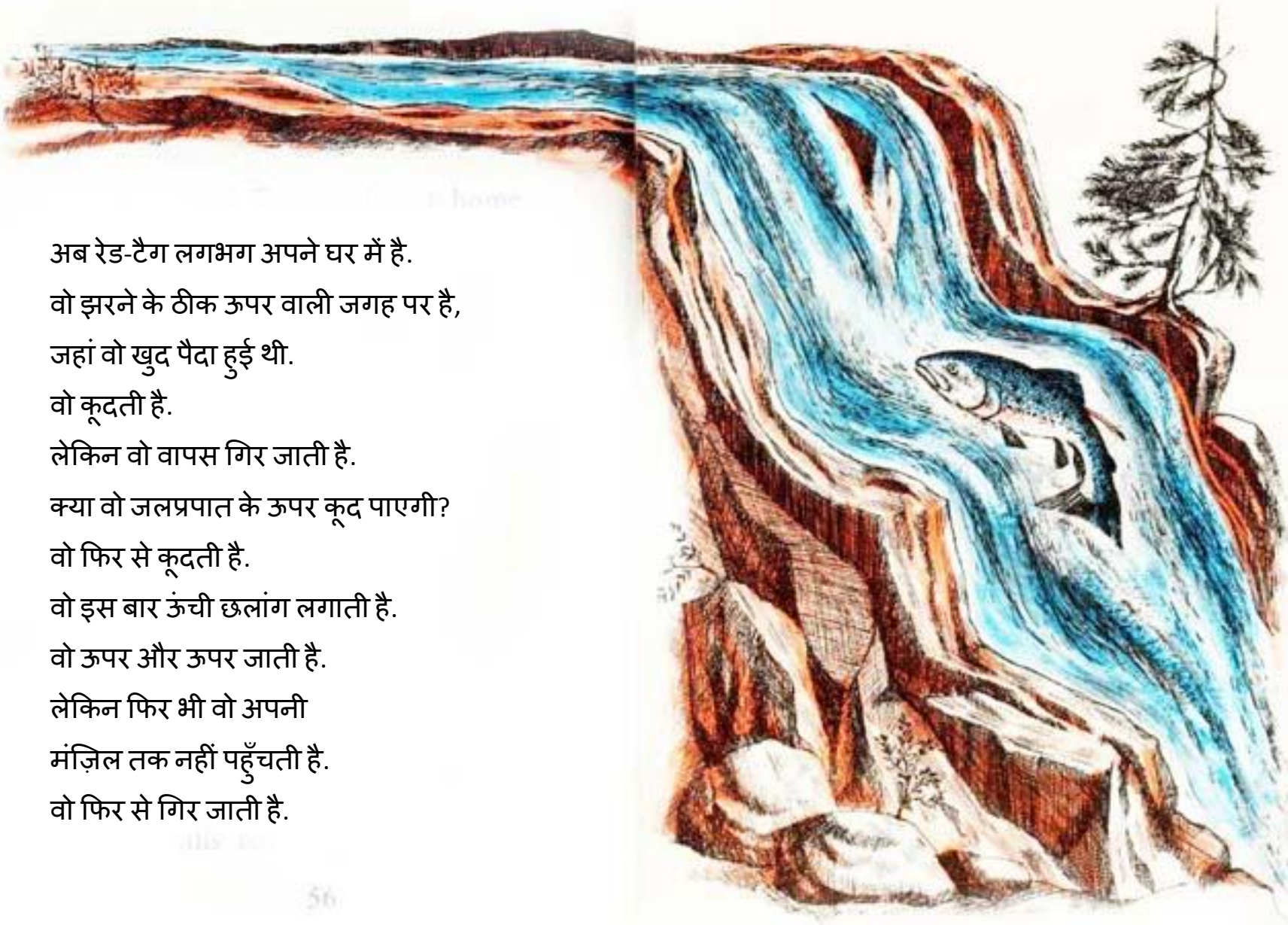

अब रेड-टैग लगभग अपने घर में है.
वो झरने के ठीक ऊपर वाली जगह पर है,
जहां वो खुद पैदा हुई थी.
वो कूदती है.
लेकिन वो वापस गिर जाती है.
क्या वो जलप्रपात के ऊपर कूद पाएगी?
वो फिर से कूदती है.
वो इस बार ऊंची छलांग लगाती है.
वो ऊपर और ऊपर जाती है.
लेकिन फिर भी वो अपनी
मंज़िल तक नहीं पहुँचती है.
वो फिर से गिर जाती है.

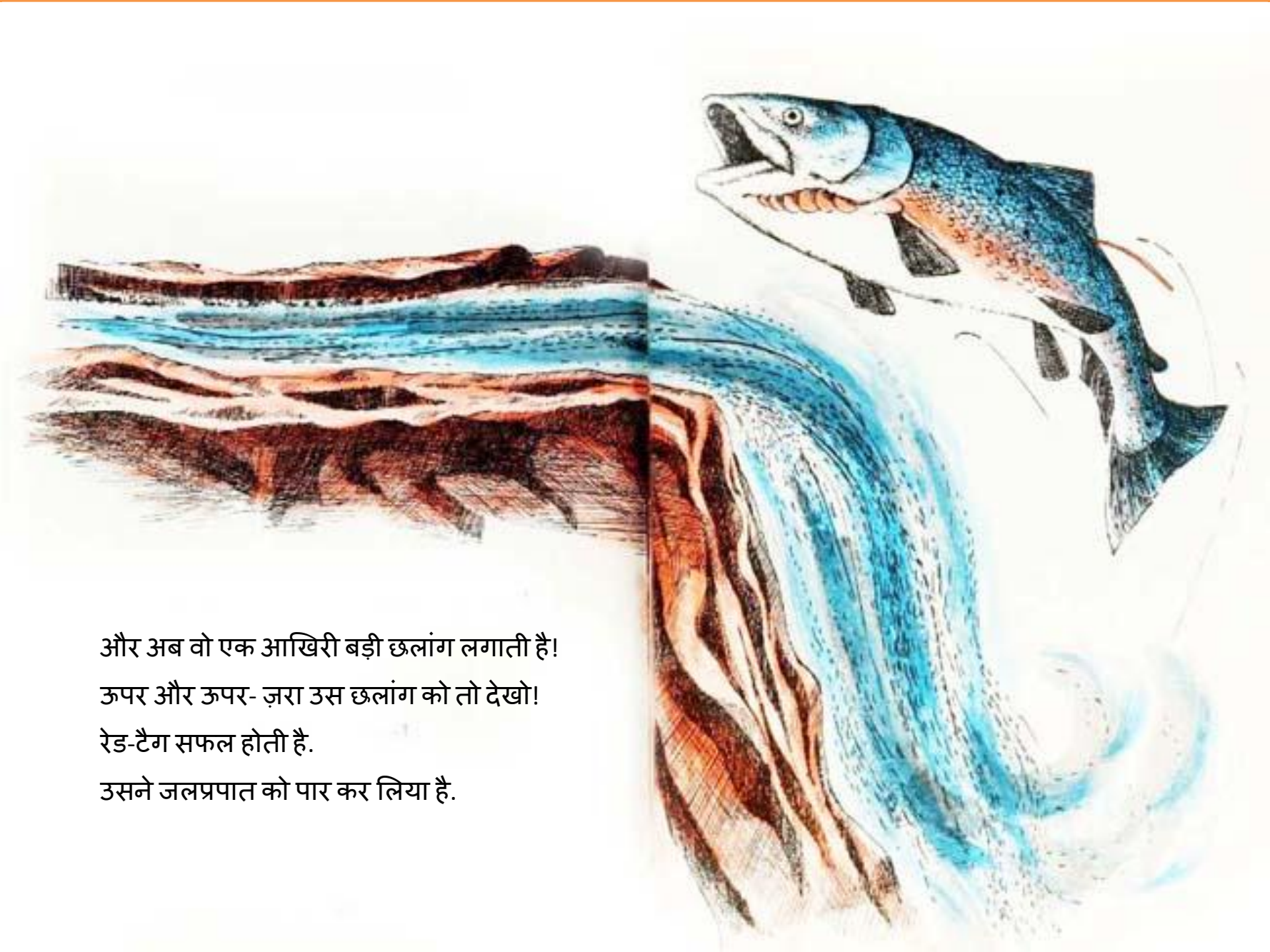

और अब वो एक आखिरी बड़ी छलांग लगाती है!
ऊपर और ऊपर- ज़रा उस छलांग को तो देखो!
रेड-टैग सफल होती है.
उसने जलप्रपात को पार कर लिया है.

रेड-टैग अंत में अपने घर पहुंचती है.
कभी वो यहाँ एक छोटी मछली थी.
और अब वो एक बड़ा साल्मन है.

वो यहाँ अपने अंडे देने के लिए वापस आई है.
अंडों को वो नदी के तल के छेदों में रखेगी.
वो अपनी पूंछ से छेद बनाती है.

लेकिन देखो, यहाँ फिर से अकु मौजूद है.

वो नदी में मछली पकड़ने आया है

उसकी छोटी बहन भी उसके साथ है.

रेड-टैग को देखकर अकु खुश हो जाता है.

वो अपनी बहन से कहता है,

"देखो, मेरी मछली फिर से वापिस आई है.

जब मैं तुम्हारी तरह छोटा था,

तब एक आदमी ने मेरे लिए

उस मछली पर रेड-टैग लगाया था.

और अब वो फिर से घर आई है.

मैं उस आदमी को ज़रूर लिखूंगा.”

"मैं उसे बताऊंगा कि रेड-टैग

अपने अंडे देने के लिए घर आई है."

समाप्त

अब रेड टैग बहुत थक गई है.

वो तैरते-तैरते बहुत थक गई है.

वो खाने के लिए भी बहुत थकी है.

अकु और उसकी बहन उसे आराम करते हुए देखते हैं.

वो अब बूढ़ी हो चुकी है

पर उसका काम भी पूरा हो गया है.